Ancient Vedic Mantras and Rituals

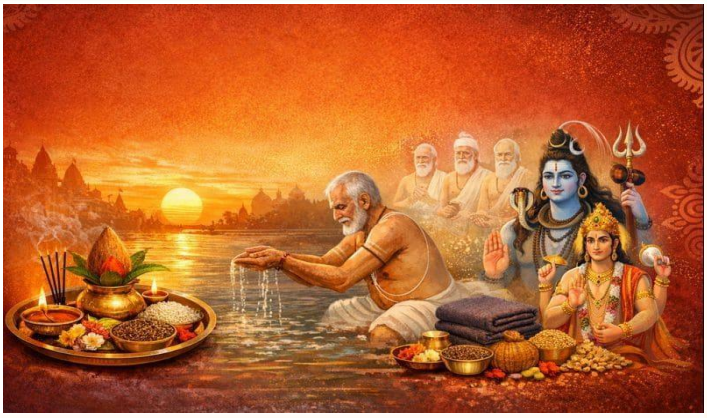

Pausha Amavasya 2025: तिति, महत्व, पूजा तिति, स्नान्दान और आध्यात्मिक लाभ | PDF

पौष अमावस्या हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और फलदायी तिथि मानी जाती है। यह अमावस्या **पौष मास** में आती है और विशेष रूप से **स्नान-दान, पितृ तर्पण, श्राद्ध कर्म और आत्मशुद्धि** के लिए प्रसिद्ध है। इस दिन किए गए धार्मिक कार्य **अक्षय पुण्य** प्रदान करते हैं और जीवन में सुख-शांति व समृद्धि लाते हैं।

पौष अमावस्या 2025 तिथि और मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार पौष अमावस्या **पौष मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या** तिथि को मनाई जाती है। 2025 में **पौष अमावस्या 19 दिसंबर 2025 को सुबह 4:59 बजे** से प्रारंभ होगी और अगले दिन **20 दिसंबर 2025 को सुबह 7:12 बजे** समाप्त होगी।
। यह तिथि पितरों की शांति और उनके आशीर्वाद के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

पौष अमावस्या का धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व

पौष अमावस्या को **पितृ अमावस्या** भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन पितृलोक के देवता पृथ्वी पर आते हैं और अपने वंशजों द्वारा किए गए तर्पण व दान से तृप्त होते हैं।

इस दिन—

- पवित्र नदियों में स्नान करने से पापों का नाश होता है
- तिल, गुड़, कंबल, अन्न और वस्त्र दान से पुण्य की प्राप्ति होती है
- पितृ दोष से मुक्ति मिलती है
- परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है

विशेष रूप से **गंगा, यमुना, सरस्वती, गोदावरी और नर्मदा** में स्नान का अत्यधिक महत्व है।

पौष अमावस्या पर स्नान-दान का महत्व

पौष अमावस्या पर **स्नान-दान का पुण्य हजार गुना** बढ़ जाता है। ठंड के मौसम में दान किए गए वस्त्र, कंबल और अन्न अत्यंत पुण्यकारी माने जाते हैं।

प्रमुख दान सामग्

- काले तिल
- गुड़ और चावल
- कंबल और गर्म वस्त्

- घी और तिल का तेल
- अन्न एवं फल

दान करने से **दरिद्रता दूर होती है** और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

पौष अमावस्या पूजा विधि

1. ब्रह्म मुहूर्त में उठकर पवित्र जल से स्नान करें
2. सूर्य देव को जल अर्पित करें
3. पितरों के नाम से तिल और जल द्वारा तर्पण करें
4. घर या मंदिर में भगवान विष्णु, शिव या पितृ देवताओं की पूजा करें
5. दीपक जलाकर मंत्र जाप करें
6. गरीबों व ब्राह्मणों को दान दें

मंत्र जाप:

ॐ पितृदेवाय नमः
ॐ नमः शिवाय

पौष अमावस्या पर पितृ तर्पण का महत्व

पितृ तर्पण करने से **पितृ दोष, आर्थिक परेशानियां, संतान संबंधी बाधाएं** दूर होती हैं। जिन लोगों की कुंडली में पितृ दोष होता है, उनके लिए पौष अमावस्या विशेष फलदायी मानी जाती है।

पौष अमावस्या पर क्या करें और क्या न करें

क्या करें

- स्नान-दान और जप-तप
- पितरों की शांति के लिए तर्पण
- मौन, ध्यान और साधना

क्या न करें

- क्रोध, झगड़ा और नकारात्मक सोच
- मांस-मदिरा का सेवन
- झूठ और अपवित्र आचरण

पौष अमावस्या के आध्यात्मिक लाभ

- पौष अमावस्या पर किए गए पुण्य कर्म—
- मानसिक शांति प्रदान करते हैं
- नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं
- पितरों का आशीर्वाद दिलाते हैं
- जीवन में सुख, स्वास्थ्य और सफलता बढ़ाते हैं

पौष अमावस्या केवल एक तिथि नहीं, बल्कि **आत्मशुद्धि, पितृ सम्मान और पुण्य अर्जन** का पावन अवसर है। इस दिन श्रद्धा और नियमपूर्वक किया गया स्नान-दान व तर्पण जीवन को सकारात्मक दिशा देता है और पितरों की कृपा सदैव बनी रहती है।

RELATED ARTICLE

मार्गशीर्ष अमावस्या

सर्वपितृ अमावस्या

THANKS FOR READING

READ MORE RELIGIOUS CONTENT ON

vedicprayers.com

VEDIC PRAYERS